No. of Printed Pages : 2

MVS–006

एम. ए. (वैदिक अध्ययन)

(एम.ए.वी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.वी.एस.–006 : वेदाध्ययन परम्परा

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए। प्रश्नों के उत्तर हिन्दी* ***अथवा*** *संस्कृत* ***अथवा*** *अंग्रेजी भाषा में से किसी एक भाषा में दीजिए।*

खण्ड–क

निर्देश–निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। 3×20=60

1. मन्त्र के स्वरूप और विमर्श पर प्रकाश डालिए।

2. ब्राह्मण का स्वरूप और विमर्श लिखिए।

3. वेदांग साहित्य का वर्णन कीजिए।

4. वेद एवं धर्म के स्वरूप का विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. भावना से आप क्या समझते हैं ? विमर्श लिखिए।

6. वेंकटमाधव एवं सायण का परिचय लिखिए।

खण्ड–ख

निर्देश–अधोलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4×10=40

1. वेद के भाष्यकारों में स्कन्द और नारायण का वर्णन कीजिए।

2. आत्मनन्द और करपात्र स्वामी का वर्णन कीजिए।

3. श्री अरविन्द और मधुसूदन ओझा का परिचय लिखिए।

4. निषेध का वर्णन कीजिए।

5. विल्सन और रॉथ का परिचय लिखिए।

6. वैदिक पदानुक्रम कोष के विषय में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

7. विधि एवं अर्थवाद में क्या अंतर है ? लिखिए।

× × × × × × ×